मुख्य जनसंपर्क अधिकारी का कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया मिल्लिया इस्लामिया (जेएमआई) के विदेशी भाषा विभाग ने EUNIC के सहयोग से 'लॉन्ग नाइट ऑफ लिटरेचर्स 2026' का आयोजन किया

नई दिल्ली, 26 अक्टूबर 2026

जामिया मिल्लिया इस्लामिया (जेएमआई) के विदेशी भाषा विभाग (डीएफएल) ने ईयू नेशनल इंस्टीट्यूट्स फॉर कल्चर (EUNIC) के साथ मिलकर, 22 अक्टूबर 2026 को जेएमआई के एफटीके-सीआईटी सेंटर स्थित एफटीके ऑडिटोरियम में 'लॉन्ग नाइट ऑफ लिटरेचर्स 2026' के यूनिवर्सिटी संस्करण का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में साहित्यिक आदान-प्रदान के लिए यूरोपीय लेखक, कवि और स्कॉलर्स एक साथ आए।

अपने शुरुआती संबोधन में, डीएफएल के विभागाध्यक्ष प्रो. मो. फैजुल्लाह खान ने अतिथियों का स्वागत किया। उन्होंने बताया कि ऐसे आयोजन छात्रों के लर्निंग अनुभव को समृद्ध करने और शैक्षणिक समुदाय को विभिन्न साहित्यिक व सांस्कृतिक परंपराओं से जोड़ने में कितनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम में स्लोवेनिया की लेखिका, कवयित्री, सांस्कृतिक मानवविज्ञानी और ल्युब्लियाना विश्वविद्यालय में असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. एना स्वेतेल शामिल हुईं। उन्होंने इंसानों, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मानवविज्ञान के बीच संबंधों पर चर्चा की। इतालवी लेखक और साहित्यिक प्रकाशन जगत की जानी-मानी हस्ती एंटोनियो फ्रैंचिनी ने *'सेंडोकन'* (Sandokan) के बारे में अपने विचार साझा किए और नेपल्स तथा पुरानी दिल्ली के बीच सांस्कृतिक समानताओं पर प्रकाश डाला। उनके विचारों ने साहित्य, स्थान और सांस्कृतिक संबंधों के विभिन्न पहलुओं को एक साथ पिरोया।

जर्मन उपन्यासकार और पटकथा लेखक क्रिस्टोफर क्लोबल ने सांस्कृतिक अंतरों और भारत के साथ अपने व्यक्तिगत जुड़ाव पर बात की। उन्होंने अपने उपन्यास 'द म्यूजियम ऑफ द वर्ल्ड' का भी जिक्र किया, जो 19वीं सदी के भारत में उपनिवेशवाद और दोस्ती की पड़ताल करता है। पुर्तगाली कवयित्री और स्कॉलर प्रो. डायना वी. अल्मेडा ने कविता में भावनाओं और प्रेरणा पर चर्चा करते हुए कहा कि कोई भी कविता किसी भी पल जन्म ले सकती है। पोलिश उपन्यासकार और रिपोर्टर मालगोरज़ाता ज़ोफ़िया (मार्गो) रेजमर ने पूर्वी यूरोप और बाल्कन देशों में राजनीतिक शासन के दौरान लोगों की यादों, ट्रामा और उनके निजी जीवन के बारे में बात की। यूक्रेनी कवयित्री और बच्चों की लेखिका ओलेसिया मामचिच ने बच्चों पर युद्ध के प्रभाव को रेखांकित किया, विशेष रूप से बमबारी और किताबों के नष्ट होने से उनके मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ने वाले असर के बारे में बताया। अतिथियों का स्वागत करते हुए, जामिया मिल्लिया

इस्लामिया (जेएमआई) की एकेडमिक अफेयर्स की डीन, प्रो. तनुजा ने बौद्धिक और सांस्कृतिक आदान-प्रदान के महत्व पर जोर दिया। साथ ही, विश्वविद्यालय के 106वें स्थापना दिवस के अवसर पर उन्होंने संस्थान की शैक्षणिक विरासत को भी रेखांकित किया। कार्यक्रम की मॉडरेटर और समन्वयक, प्रो. नूरीन खान ने मुख्य चर्चाओं का सार प्रस्तुत किया और प्रश्न-उत्तर सत्र का संचालन किया। उन्होंने भविष्य में भी इस तरह के शैक्षणिक आयोजनों के जारी रहने की उम्मीद जताई।

जेएमआई के डीएफएल विभाग में इतालवी भाषा के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. रोहित बजाज और पुर्तगाली भाषा के असिस्टेंट प्रोफेसर श्री अजय प्रसाद ने प्रो. नूरीन खान के साथ मिलकर इस कार्यक्रम का समन्वय किया। श्री अजय प्रसाद ने धन्यवाद ज्ञापित किया, जबकि पीएचडी स्कॉलर सुश्री उजैफा सिद्दीकी और श्री अंकुश आनंद ने कार्यक्रम का संचालन किया।

कार्यक्रम का समापन फोटोग्राफी सत्र और जलपान के साथ हुआ। इस आयोजन ने साहित्य की उस क्षमता का जश्न मनाया, जो विभिन्न संस्कृतियों के बीच समझ और संवाद को बढ़ावा देती है।

सीपीआरओ कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया